विकसित भारत ए0आई0 शोध व नवाचार : आर्थिक बदलाव – महामंथन हेतु राष्ट्रीय वेबिनार

अर्थशास्त्र विभाग राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी व अर्थशास्त्र विभाग राजकीय महाविद्यालय बनबसा के संयुक्त तत्वाधा में दिनांक 25 फरवरी, 2025 को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। देश भर से 250 अकादमिक विद्वानों और शोधार्थियों द्वारा पंजीकृत होकर बेबेक्स पर ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया गया।

वेबिनार का सत्र का आरम्भ प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित प्रो. (डॉ.) आनंद प्रकाश सिंह के द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा विभाग की निदेशक प्रो. (डॉ.) अंजू अग्रवाल ने आयोजक व प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि इस प्रकार के विषय पर बेबिनार का आयोजन कराना और विकसित भारत, एआई, शोध व संचार कौशल पर चर्चा परिचर्चा करना सराहनीय पहल है। उन्होने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा विभाग इन विषयों को अपने पठन पाठन में जोड़ने के लिए प्रयासरत है साथ ही इन्ही विषयों पर शिक्षकों को प्रशिक्षण कार्य भी देने की तैयारी है। उन्होने दोनो अर्थशास्त्र विभाग के समन्यवयक के इस प्रकार के प्रयास को सराहा तथा प्राचार्य सहित आयोजक मण्डल को साुधवाद दिया।
विशिष्ट गणमान्य अतिथियों में डॉ खेमराज भट्ट कुलसचिव उ0मु0वि0वि0 हल्द्वानी, प्रो0 (डॉ.) दीपक कुमार पाण्डेय असिस्टेंट सहायक निदेशक व नोडल स्टेट नैक, प्रो. (डॉ.) हरीश चंद्र जोशी विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, एस0एस0जे0वि0वि0 अल्मोड़ा, प्रो. (डॉ.) राकेश कुमार पाण्डेय प्राचार्य राजकीय महा0 पाटी, प्रो. (डॉ.) योगेश शर्मा थे प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय विद्यानी, यमकेश्वर, पौड़ी गढ़वाल मंच को सुशाभित किये। जिन्होने मुख्य विषय पर भारत सरकार व राज्य सरकार की प्रबल प्रयासों व नीतियों का वर्णन करते हुए प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं दी। और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम में आमन्त्रण निश्चित रूप से गौरवान्वित होने का विषय है।

इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) नमिता मिश्रा प्रसिद्ध व्यक्तित्व और प्रोफेसर, आई.टी.एस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मोहननगर गाज़ियाबाद जिन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने में एआई विकसित भारत पर अपने प्रेजेन्टेशन दिया। डॉ. मिश्रा ने अपने विचारों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि भारत एक परिवर्तनात्मक यात्रा पर है और ए.आई. (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) इस यात्रा में युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध हो सकता है। अपने व्याख्यान में डॉ. मिश्रा ने कहा, भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए कई क्षेत्रों में बदलाव कर रहा है। यहां, ए.आई. शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक समावेश के क्षेत्र में क्रांति ला सकता है।

मुख्य बिंदु

1. व्यक्तिगत शिक्षा– डॉ. मिश्रा ने बताया कि ए.आई. आधारित प्लेटफॉर्म जैसे कि एडैप्टिव लर्निंग सिस्टम्स, शिक्षा को व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार अनुकूलित करते हैं। इससे छात्रों को उनके सीखने की गति और शैली के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने में मदद मिलती है।

2. वर्चुअल कक्षाएँ– ए.आई. ने दूरस्थ शिक्षा को संभव बनाया है, जिससे देश के हर कोने तक शिक्षा पहुँचाई जा सके। इसके माध्यम से छात्रों को कहीं भी और कभी भी सीखने का मौका मिल रहा है।

3. कौशल विकास– ए.आई. आधारित सिमुलेशन और आर्टिफिशियल रियलिटी/वर्चुअल रियलिटी तकनीकें तकनीकी कार्यों के लिए कौशल विकास में सहायक होती हैं, जिससे युवा विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में प्रवीणता हासिल कर सकते हैं।

4. नौकरी और उद्यमिता– डॉ. मिश्रा ने कहा कि ए.आई. नए जॉब रोल्स जैसे कि ए.आई. इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट और ऑटोमेशन विशेषज्ञता के सृजन में सहायक है। ए.आई. आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विभिन्न पहलों, जैसे स्टार्टअप इंडिया और ए.आई. फॉर ऑल युवाओं को ए.आई. समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं।

5. सरकारी सेवाएँ– उन्होंने ए.आई. द्वारा संचालित चौटबॉट्स और ऑटोमेशन का उपयोग करके सार्वजनिक सेवाओं को प्राथमिकता देने पर प्रकाश डाला, जैसे कि आधार सत्यापन, कर दाखिल करना और कानूनी सहायता।

6. सामाजिक समावेशन– उन्होंने बताया कि ए.आई. आधारित भाषा अनुवाद औजारों के माध्यम से भाषाई बाधाएँ तोड़ी जा सकती हैं, जिससे शिक्षा और शासन को अधिक समावेशी बनाया जा सके।

7. महिलाओं का सशक्तिकरण– डॉ. मिश्रा ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी जोर दिया, जहां ए.आई. आधारित सुरक्षा ऐप्स और कौशल विकास मंच महिलाओं को सामाजिक–आर्थिक उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करते हैं।

ए.आई. का जिम्मेदारी से उपयोग–डॉ. मिश्रा ने जोर देकर कहा कि ए.आई. का विकास और उपयोग जिम्मेदारी से होना चाहिए, जिसमें पूर्वाग्रह–मुक्त एल्गोरिदम, डेटा गोपनीयता और साइबर सुरक्षा के विचारों का समावेश होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को ए.आई. नैतिकता में प्रशिक्षित करना आवश्यक है ताकि एक स्थायी और समग्र डिजिटल भविष्य का निर्माण किया जा सके।

व्याख्यान के अंत में, डॉ. मिश्रा ने सभी युवाओं को प्रेरित किया कि वे ए.आई. के माध्यम से अपने शोध, कौशल और प्रतिभाओं को विकसित करें और भारत के विकास में अपनी भूमिका निभाएं। उनका यह व्याख्यान युवाओं को उन अवसरों को समझाने में सहायक था जो ए.आई. द्वारा उत्पन्न हो सकते हैं और इस दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

भविष्य की दिशा– डॉ. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि ए.आई. केवल एक तकनीक नहीं है, बल्कि यह भारत के भविष्य के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक संगठित प्रयास के माध्यम से, युवा ए.आई. के साथ मिलकर एक विकसित भारत के सपने को साकार कर सकते हैं। यह व्याख्यान युवाओं में ए.आई. के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

शोध पद्धतियाँ और डेटा विश्लेषण के लिए ट्रेंडिंग टूल्स

डॉ. विवेक कुमार सक्सेना द्वारा व्याख्यान – शोध किसी भी ज्ञान के क्षेत्र में नए तथ्यों की सावधानी से जांच करने की प्रक्रिया है। यह नए ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक प्रणालीबद्ध प्रयास है, जिसमें समस्याओं की पहचान करना, परिकल्पनाओं और उद्देश्यों का गठन, डेटा संग्रहण, संगठन और मूल्यांकन करना शामिल है। शोध का अंतिम लक्ष्य निष्कर्ष निकालना और उस निष्कर्ष की परीक्षण करना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये प्रारंभिक परिकल्पनाओं और उद्देश्यों के अनुरूप हैं। उन्होने बताया कि शोध पद्धतियाँ उन प्रणालीबद्ध दृष्टिकोणों, प्रक्रियाओं और तकनीकों को संदर्भित करती हैं जो शोध को संचालित करने के लिए उपयोग में लाई जाती हैं। ये सभी चरण एक–दूसरे से संबंधित होते हैं, जिससे शोध कार्य को उचित दिशा में ले जाने में सहायता मिलती है। शोध पद्धति के मुख्य चरणों में विषय की पहचान, पृष्ठभूमि जानकारी की खोज, डेटा का संग्रहण, डेटा का विश्लेषण, परिणामों की व्याख्या, और अंततः निष्कर्ष निकालना शामिल हैं। यह आवश्यक ढांचा और दिशानिर्देश प्रदान करती है जिससे शोध प्रश्नों, परिकल्पनाओं और उद्देश्यों को स्पष्टता से परिभाषित किया जा सके। इसके अलावा, यह शोध के डिज़ाइन, सैंपलिंग तकनीक, और डेटा संग्रहण और विश्लेषण की विधियों की पहचान करने में मदद करती है। शोध प्रक्रिया की साहित्य समीक्षा एक महत्वपूर्ण चरण है, जिससे शोधकर्ताओं को ज्ञान के मौजूदा खतरों को पहचानने और अपने शोध को मौजूदा निष्कर्षों पर आधारित करने में सहायता मिलती है। जर्नल एक ऐसा प्रकाशन होता है, जिसमें विशिष्ट विषयों पर आधारित लेखों का संग्रह होता है। यह वार्षिक या प्रायः अधिक बार प्रकाशित होते हैं। दूसरी ओर, डेटाबेस एक ऑनलाइन टूल है जो अनेक जर्नल का संग्रह होता है और यह एक व्यापक क्षेत्र पर केंद्रित होता है। डेटाबेस हमेशा अपडेट होते हैं और इन्हें डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी भी कहा जाता है। व्याख्यान में बताया कि शोध से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण शर्तें हैं जैसे पीयर रिव्यू, जो यह सुनिश्चित करता है कि लेखों की गुणवत्ता का परीक्षण क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। इसके अलावा, इम्पैक्ट फैक्टर जैसी शर्तें भी हैं, जो पत्रिकाओं की प्रभावशीलता और प्रतिष्ठा को मापने के लिए विभिन्न मेट्रिक्स का उपयोग करती हैं।

डेटा विश्लेषण के लिए ट्रेंडिंग टूल्स

गुणात्मक डेटा विश्लेषण के लिए कुछ प्रमुख टूल्स जैसे एनवीवों, एलटास डाट टीआई, और एमएएक्सजीडीए, का उपयोग किया जा रहा है, जबकि मात्रात्मक डेटा के लिए आर पाइथन, एसपीएसएस, स्टेटा, और टेब्ल्यू

प्रमुख टूल्स हैं। ये सभी टूल्स सटीक सांख्यिकीय विश्लेषण और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन में अत्यधिक प्रभावी हैं।

प्रेडेटरी और क्लोन जर्नल्स की पहचान

प्रेडेटरी जर्नल्स वे होते हैं जो वैज्ञानिक रूप से बिना किसी गुणवत्ता नियंत्रण के लेखों को प्रकाशित करते हैं, जिससे शोधकर्ताओं का विश्वास उठता है। दूसरी ओर, क्लोन जर्नल्स असली जर्नल्स के नाम की नकल करके शोधकर्ताओं को आकर्षित करते हैं, जिससे वे अपने शोध को प्रकाशित कराने के लिए प्रेरित होते हैं।

शोध में ए0आई टूल्स का एकीकरण

आजकल, शोध में एआई टूल्स का एकीकरण तेजी से हो रहा है। एससीआईस्पेस जैसे टूल्स शोधकर्ताओं के लिए प्रकाशन प्रक्रिया को सरल बनाते हैं। इसके अलावा, जेनी ए0आई एक एआई–संचालित लेखन टूल है, जो उपयोगकर्ताओं को विचार उत्पन्न करने, लेखन को सुधारने और एसईओ को अनुकूलित करने में मदद करता है। निश्चित रूप से डॉ0 सक्सेना का व्याख्यान शोध पद्धतियों, उपकरणों और संबंधित पहलुओं का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत करती है।

एआई का विभिन्न उद्योगों में उपयोग–नवाचार और परिवर्तन

यह व्याख्यान सुश्री श्वेता चौहान, सहायक प्रोफेसर, एलेनहाउस इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, कानपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 25 फरवरी 2025 को ऑनलाइन राष्ट्रीय वेबिनार में प्रस्तुत किया गया।

दैनिक जीवन में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें स्मार्ट सहायक एक प्रमुख उदाहरण हैं। वॉयस पहचान तकनीक का उपयोग करते हुए वर्चुअल असिस्टेंट, जैसे कि गूगल असिस्टेंट और सिरी, उपयोगकर्ताओं के वॉयस कमांड को समझते हैं और उन्हें सामान्य कार्यों में मदद करते हैं, जैसे अलार्म सेट करना और स्मार्ट होम उपकरणों को नियंत्रित करना। इसके अलावा, सिफारिश प्रणाली भी एआई का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है, जहां विभिन्न प्लेटफॉर्म्स जैसे नेटफ्लिक्स, अमेज़न, और स्पोटिफाई, उपयोगकर्ताओं के पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करते हैं, जिससे उनके अनुभव को बेहतर बनाया जा सके। स्मार्टफोन के माध्यम से एआई कैमरा सेटिंग्स को ऑप्टिमाइज करता है और वास्तविक समय में तस्वीरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाता है। प्रिडिक्टिव टेक्स्ट फीचर उपयोगकर्ताओं के वाक्य को अनुमानित और पूरा करता है, जिससे लेखन में आसानी होती है। नेविगेशन और ट्रैफिक ऐप्स, जैसे गूगल मैप्स और वेज़, वास्तविक समय के ट्रैफिक अपडेट प्रदान करते हैं, जो उपयोगकर्ताओं को बेहतर यात्रा अनुभव देने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन शॉपिंग में एआई–आधारित चौटबॉट्स ग्राहक के सवालों को समझकर उन्हें तुरंत उत्तर देते हैं, जबकि एआई व्यक्तिगत खरीदारी अनुभव को अनुकूलित करता है।

एआई उद्योगों को रूपांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उदाहरण के लिए, स्वास्थ्य सेवा में एआई टेलीमेडिसिन और दूरस्थ रोगी निगरानी में मदद करता है, वहीं चिकित्सा इमेजिंग में एआई का उपयोग बीमारियों के निदान में प्रभावी है। वित्तीय क्षेत्र में, एआई वित्तीय लेनदेन में धोखाधड़ी की पहचान करने और व्यक्तिगत बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में सहायक होता है। खुदरा उद्योग में, एआई ग्राहक के व्यवहार का विश्लेषण कर व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करती है और इन्वेंटरी प्रबंधन में मददगार होती है। मानव संसाधन प्रबंधन में, एआई भर्ती प्रक्रिया को स्वचालित करता है और कर्मचारियों की भावनाओं का विश्लेषण करता है। निर्माण क्षेत्र में, एआई उपकरण सूक्ष्मता से टूटने वाले उपकरणों की भविष्यवाणी करने और गुणवत्ता नियंत्रण में सहायता करते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत लर्निंग अनुभव को बेहतर बनाता है और छात्रों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए चौटबॉट्स और वर्चुअल असिस्टेंट्स का उपयोग किया जाता है। शिक्षा को सहज और प्रभावी बनाने के लिए कई एप्लिकेशन भी उपलब्ध हैं, जैसे कि खान एकेडमी, गूगल क्लासरूम, डूओलिनगो, ड्रीमबॉक्स और ग्रेडस्कोप। आखिरकार, एआई और कार्य के भविष्य पर एक आश्वस्त दृष्टिकोण रखा जा सकता है। आवश्यक कौशल के साथ नए रोल पेश किए जा रहे हैं, क्योंकि एआई कई दोहराए जाने वाले कार्यों को स्वचालित कर रहा है। इससे श्रमिकों को रणनीतिक निर्णय लेने की ओर ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिलता है। इस प्रकार, एआई न केवल हमारे दैनिक जीवन में, बल्कि विभिन्न उद्योगों में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह नवाचार और परिवर्तन का एक शक्तिशाली कारक बनता जा रहा है।

प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने शोध प्रविधि, ए0आई0 जैसे अनेक विन्दुओं पर अपने अपने प्रश्न व जिज्ञासायें रखी। सभी का संतुलित प्रश्न वक्ताओं ने दिया। इस राष्ट्रीय वेबिनार का समन्वय डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता और सह–समन्वय डॉ. सुशीला आर्या विभाग प्रभारी अर्थशास्त्र ने किया। जिसमें दोनो महाविद्यालय के आयोजक मण्डल बनबसा से प्रो. मुकेश कुमार, डॉ. राजीव कुमार सक्सेना, डॉ. बी.एन. दीक्षित, डॉ. सुधीर मलिक, डॉ. हेम कुमार गहतोरी व अमोड़ी से डॉ. अर्चना वर्मा, डॉ. संजय कुमार, डॉ. रंजना सिंह, श्रीमती पुष्पा, डॉ. अतुल कुमार मिश्र, और श्री संजय कुमार गंगवार ने कार्यक्रम को समन्वित किया। कार्यक्रम को बेबेक्स पर संचालित कराने का श्रेय उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा विभाग देहरादून को जाता है जिन्होने दोनो महाविद्यालय व समस्त प्रतिभागियों व वक्ताओं को एक साथ जोड़ा। कार्यक्रम के समापन पर बनबसा महा0के प्राचार्य डॉ0 आनन्द प्रकाश सिंह ने निदेशक महोदया, प्राचार्य अमोड़ी, सहायक निदेशक, विशिष्ट अतिथियों, मुख्य वक्ता व वक्तागण, आयोजक मण्डल, समन्वयक व सहसमन्वयक व समस्त प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

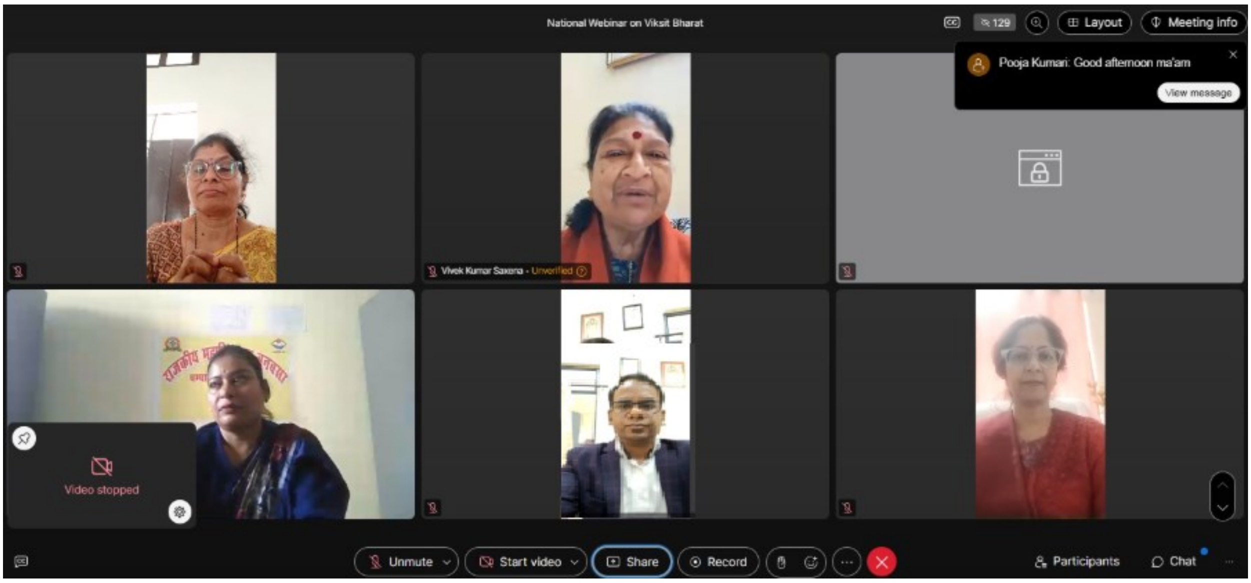

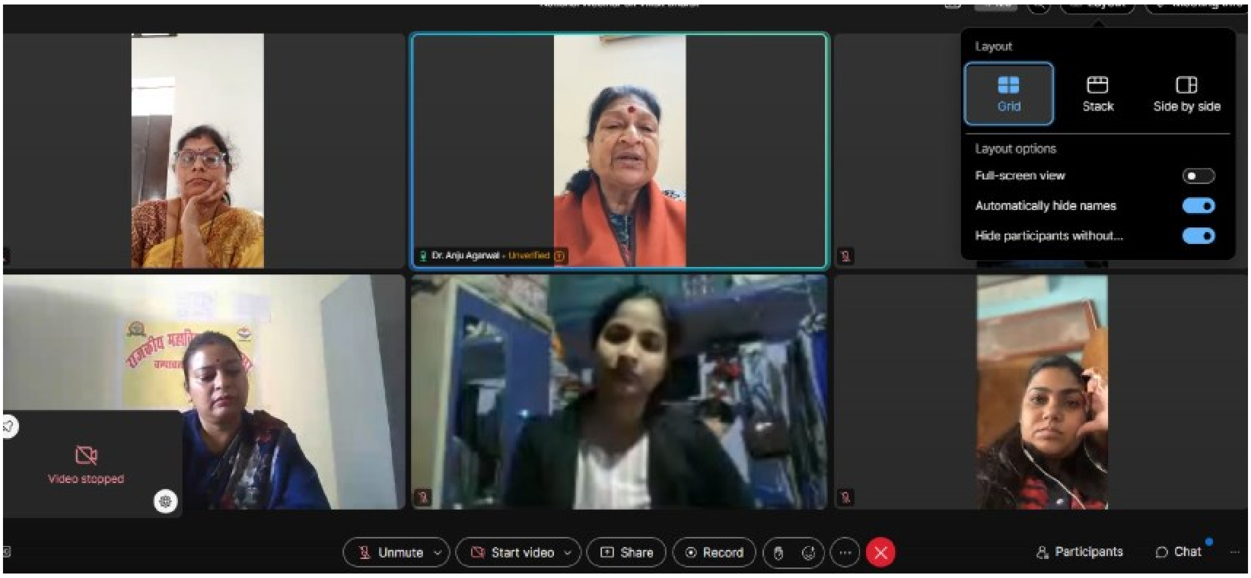

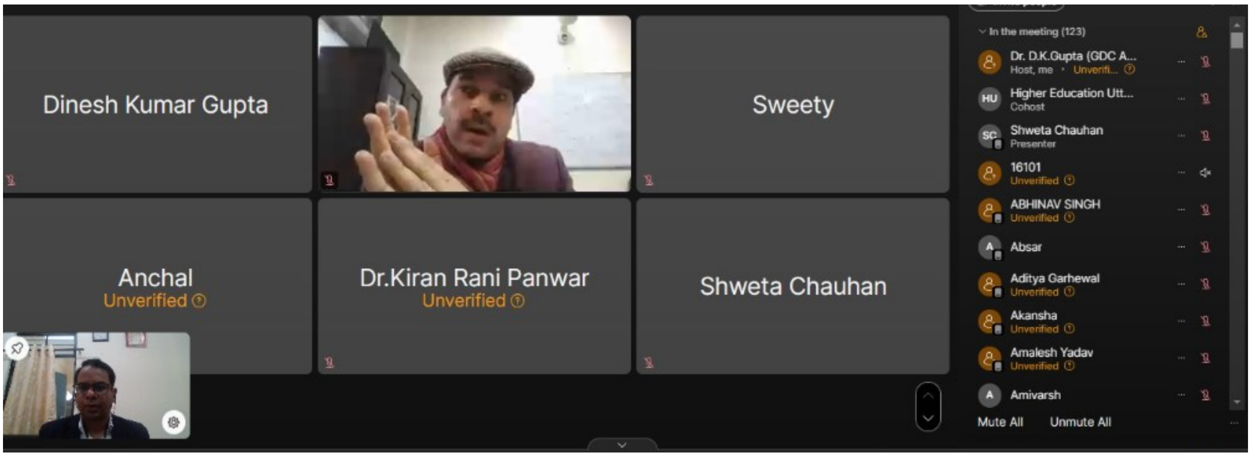
Dinesh Kumar Gupta
Sweety
Anchal
Unverified
Dr.Kiran Rani Panwar
Unverified
Shweta Chauhan
In the meeting (123)
Dr. D.K.Gupta (GDC A...
Host, me · Unverifi...
Higher Education Utt...
Cohost
Shweta Chauhan
Presenter
16101
Unverified
ABHINAV SINGH
Unverified
Absar
Aditya Garhewal
Unverified
Akansha
Unverified
Amalesh Yadav
Unverified
Amivarsh
Mute All
Unmute All

Speaking: Khemraj bhatt
Layout
Meeting info
Unmute
Start video
Share
Participants
Chat

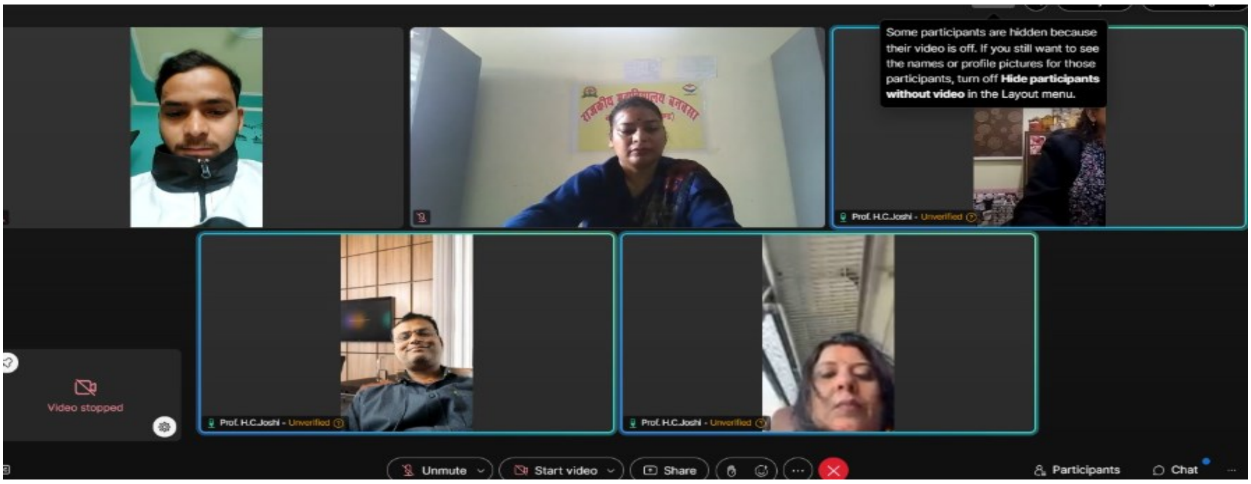
Some participants are hidden because their video is off. If you still want to see the names or profile pictures for those participants, turn off Hide participants without video in the Layout menu.
Prof. H.C.Joshi - Unverified
Video stopped
Prof. H.C.Joshi - Unverified
Prof. H.C.Joshi - Unverified
Unmute
Start video
Share
Participants
Chat

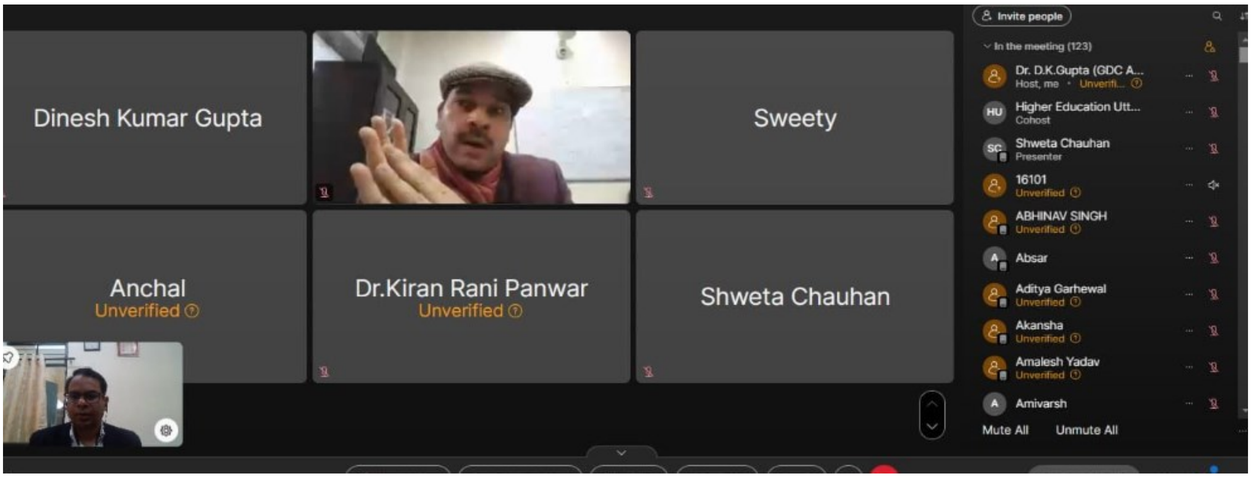
Dinesh Kumar Gupta
Sweety
Anchal
Unverified
Dr.Kiran Rani Panwar
Unverified
Shweta Chauhan
Invite people
In the meeting (123)
Dr. D.K.Gupta (GDC A...
Host, me · Unverifi...
Higher Education Utt...
Cohost
Shweta Chauhan
Presenter
16101
Unverified
ABHINAV SINGH
Unverified
Absar
Aditya Garhewal
Unverified
Akansha
Unverified
Amalesh Yadav
Unverified
Amivarsh
Mute All
Unmute All

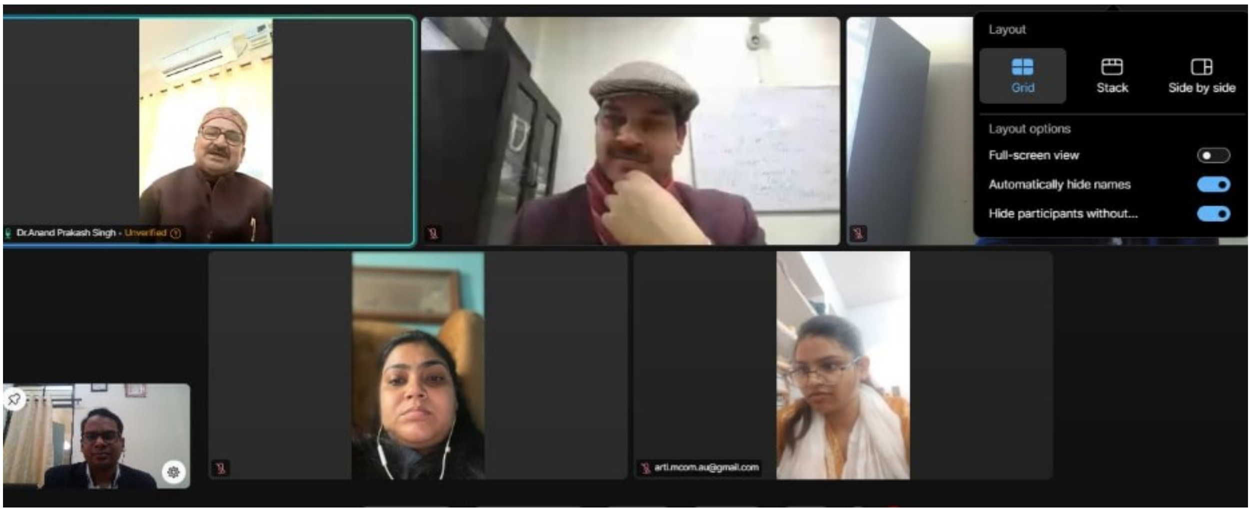
Layout
Grid
Stack
Side by side
Layout options
Full-screen view
Automatically hide names
Hide participants without...
Dr.Anand Prakash Singh • Unverified
arti.mcom.au@gmail.com

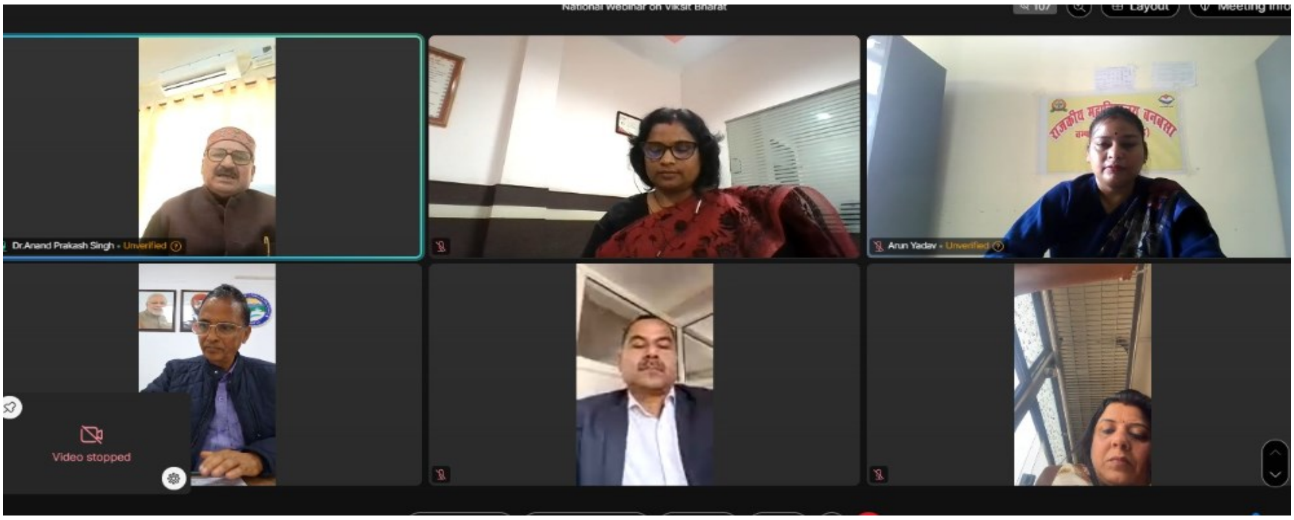
Dr.Anand Prakash Singh • Unverified
Arun Yadav • Unverified
Video stopped

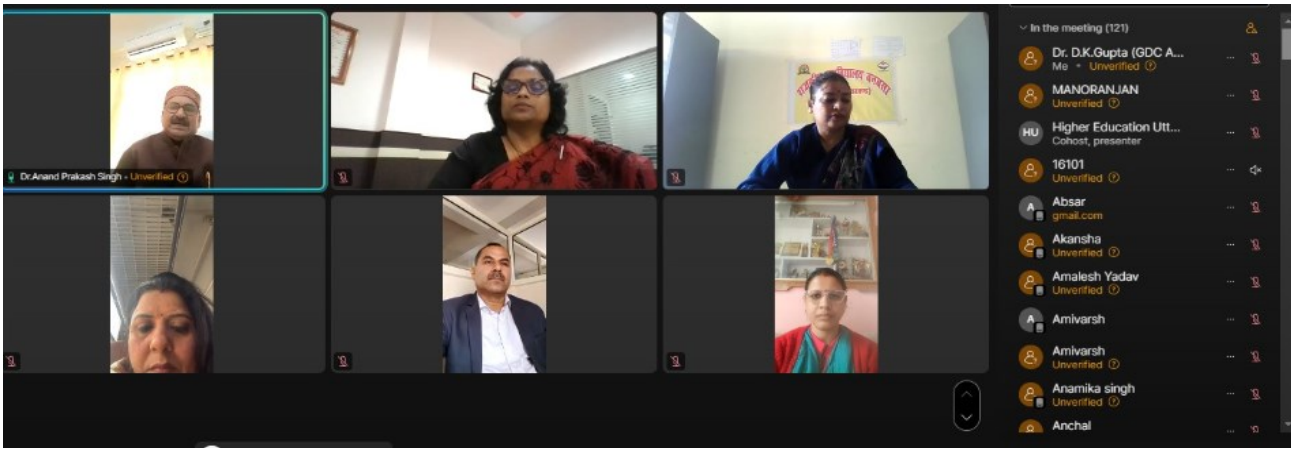
Dr.Anand Prakash Singh • Unverified
In the meeting (121)
Dr. D.K.Gupta (GDC A...
Me • Unverified
MANORANJAN
Unverified
Higher Education Utt...
Cohost, presenter
16101
Unverified
Absar
gmail.com
Akansha
Unverified
Amalesh Yadav
Unverified
Amivarsh
Amivarsh
Unverified
Anamika singh
Unverified
Anchal

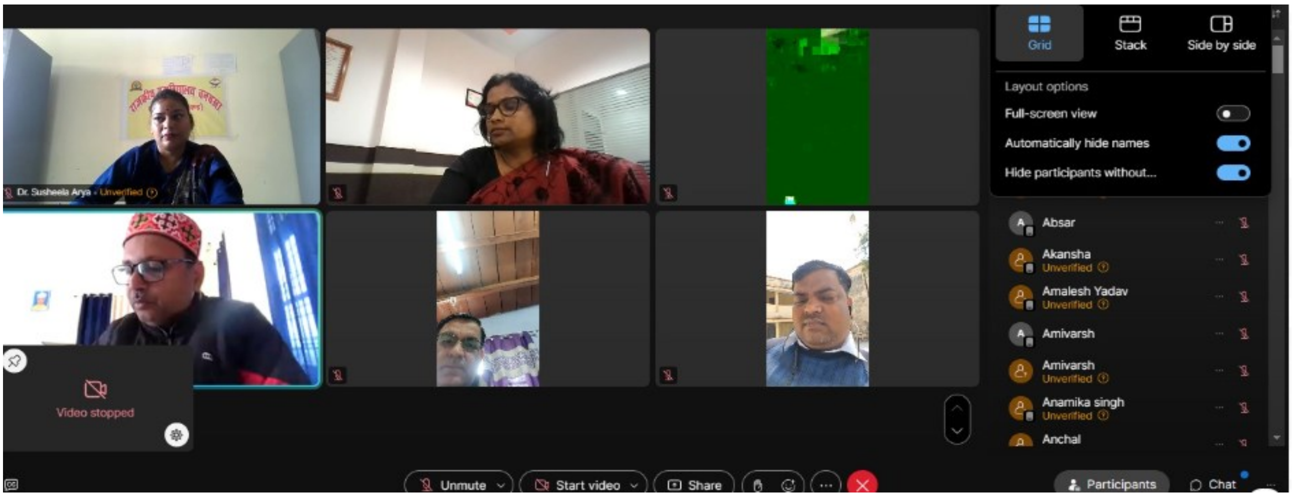
Grid
Stack
Side by side
Layout options
Full-screen view
Automatically hide names
Hide participants without...
Dr. Susheela Arya • Unverified
Video stopped
Absar
Akansha
Unverified
Amalesh Yadav
Unverified
Amivarsh
Amivarsh
Unverified
Anamika singh
Unverified
Anchal
Unmute
Start video
Share
Participants
Chat

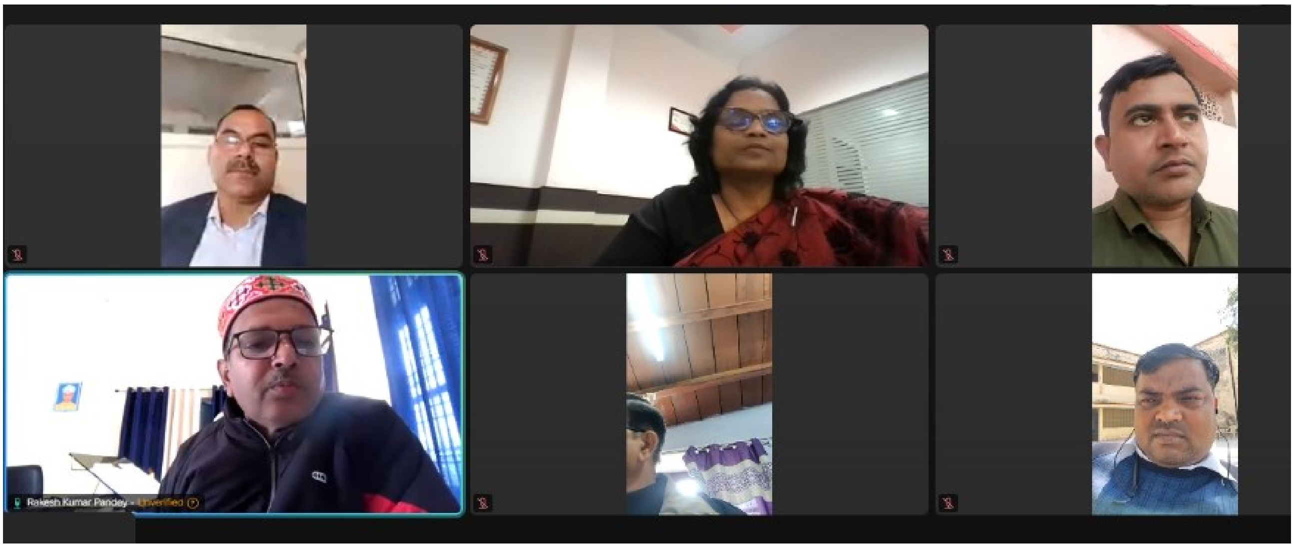
Rakesh Kumar Pandey - Unverified

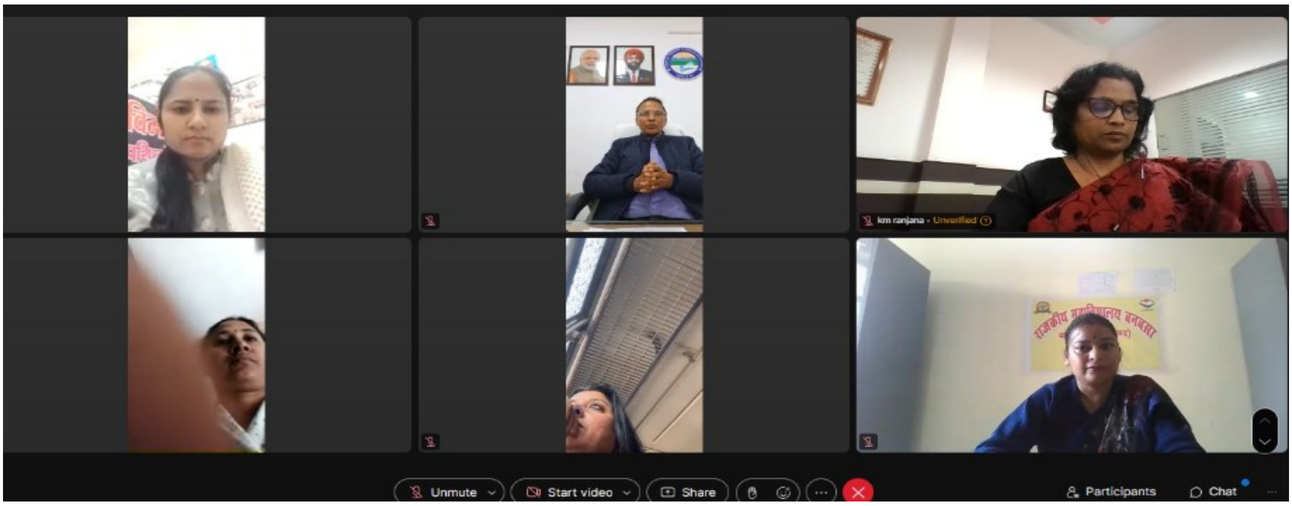
km ranjana - Unverified
Unmute
Start video
Share
Participants
Chat

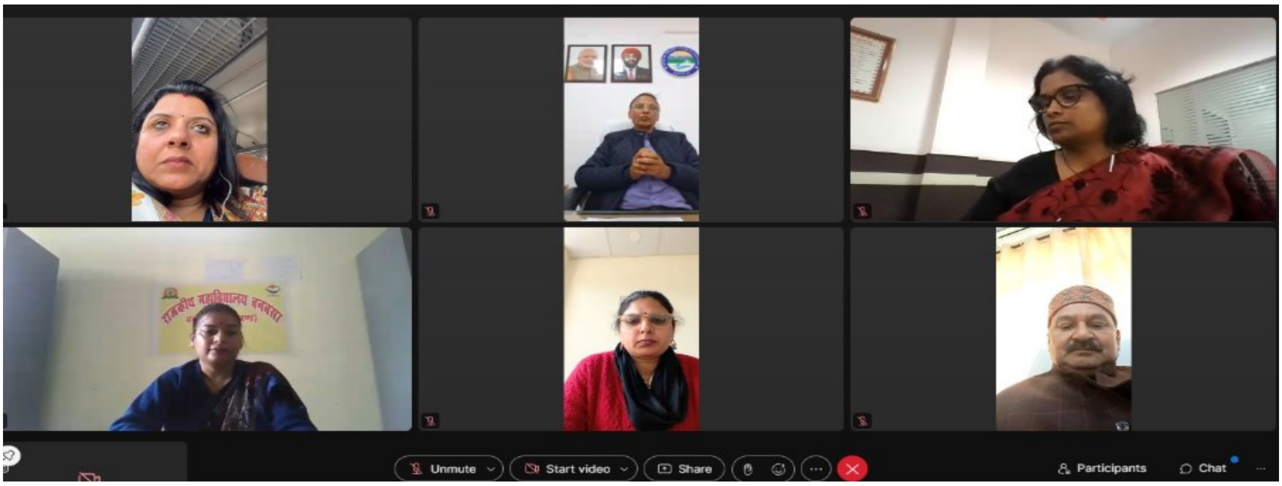
Unmute
Start video
Share
Participants
Chat

Prof. H.C.Joshi - Unverified
Video stopped
gpgc champawat - Unverified
Unmute
Start video
Share
Participants
Chat

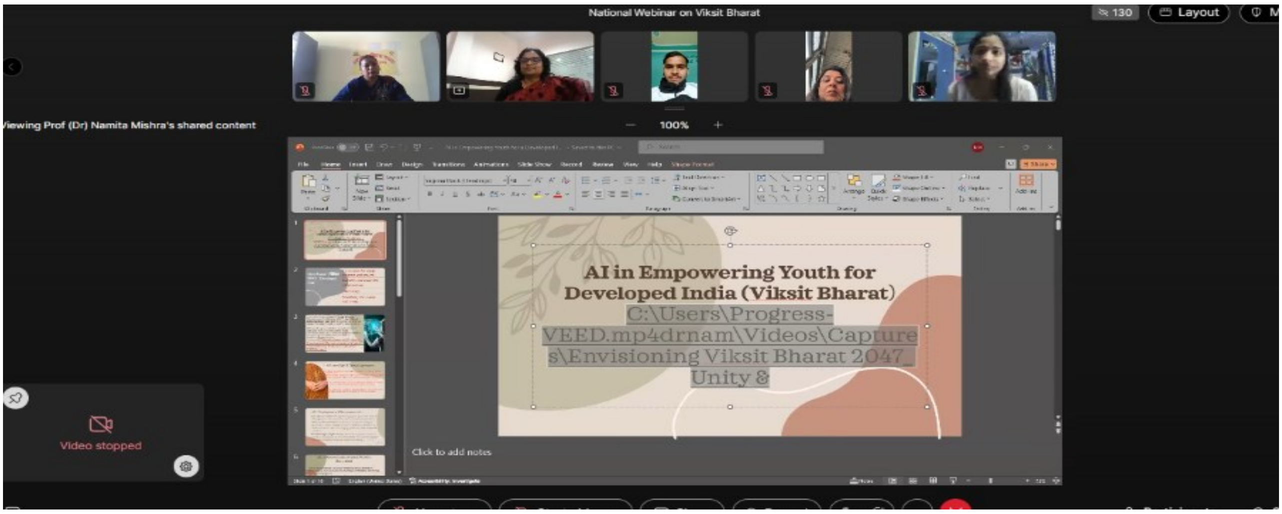
National Webinar on Viksit Bharat
Viewing Prof (Dr) Namita Mishra's shared content
AI in Empowering Youth for Developed India (Viksit Bharat)
C:\Users\Progress-VEED.mp4drnam\Videos\Captures\Envisioning Viksit Bharat 2047_ Unity &
Click to add notes
Video stopped

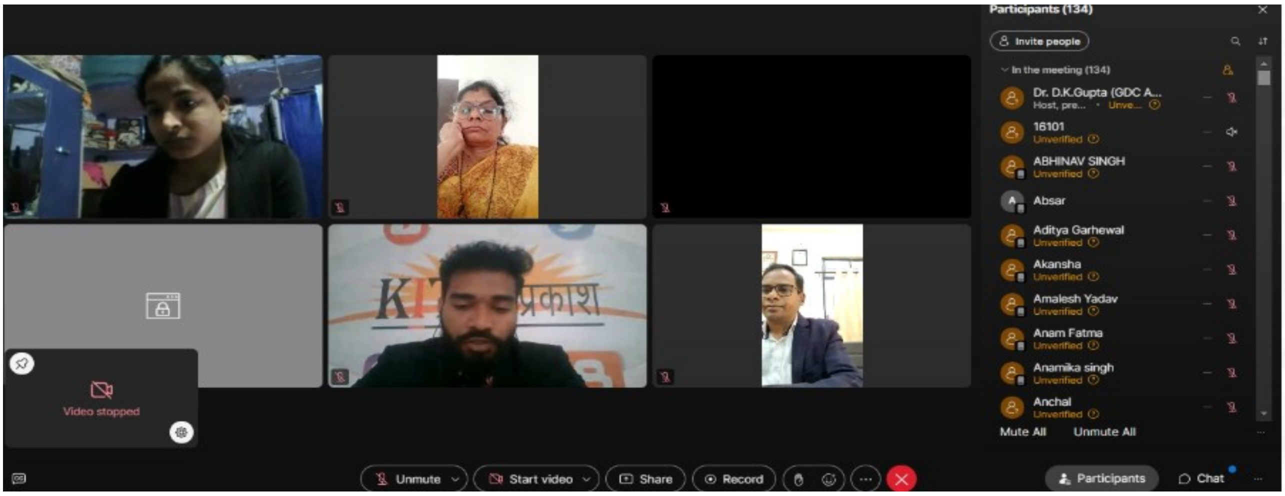
Participants (134)
Invite people
In the meeting (134)
Dr. D.K.Gupta (GDC A...
16101
ABHINAV SINGH
Absar
Aditya Garhewal
Akansha
Amalesh Yadav
Anam Fatma
Anamika singh
Anchal
Mute All
Unmute All
Video stopped
Unmute
Start video
Share
Record
Participants
Chat

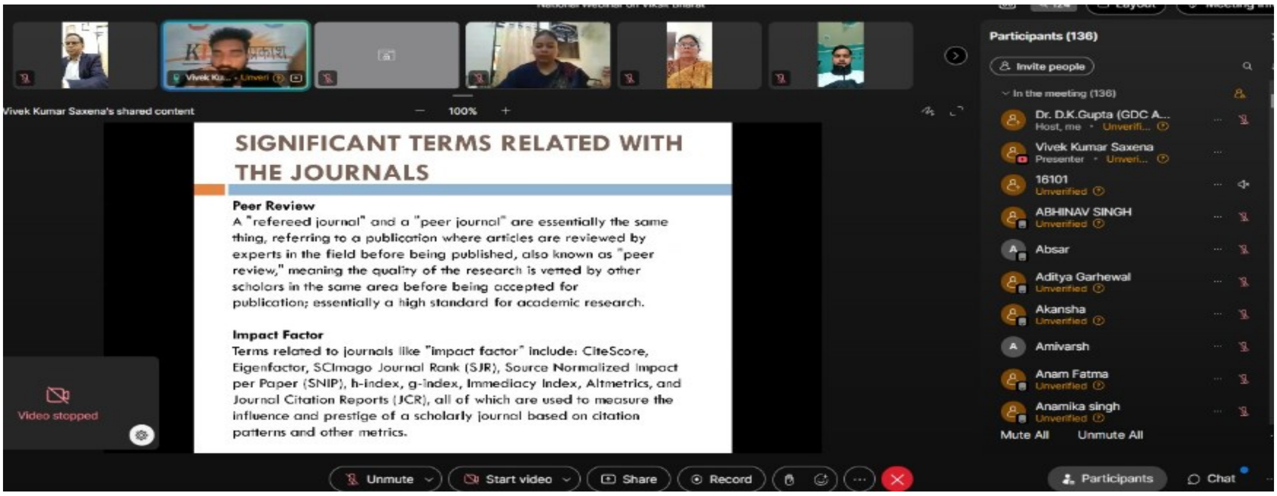
Vivek Kumar Saxena's shared content
SIGNIFICANT TERMS RELATED WITH THE JOURNALS
Peer Review
A "refereed journal" and a "peer journal" are essentially the same thing, referring to a publication where articles are reviewed by experts in the field before being published, also known as "peer review," meaning the quality of the research is vetted by other scholars in the same area before being accepted for publication; essentially a high standard for academic research.
Impact Factor
Terms related to journals like "impact factor" include: CiteScore, Eigenfactor, SCImago Journal Rank (SJR), Source Normalized Impact per Paper (SNIP), h-index, g-index, Immediacy Index, Altmetrics, and Journal Citation Reports (JCR), all of which are used to measure the influence and prestige of a scholarly journal based on citation patterns and other metrics.
Participants (136)
Invite people
In the meeting (136)
Dr. D.K.Gupta (GDC A...
Vivek Kumar Saxena
Presenter
16101
ABHINAV SINGH
Absar
Aditya Garhewal
Akansha
Amivarsh
Anam Fatma
Anamika singh
Mute All
Unmute All
Video stopped
Unmute
Start video
Share
Record
Participants
Chat

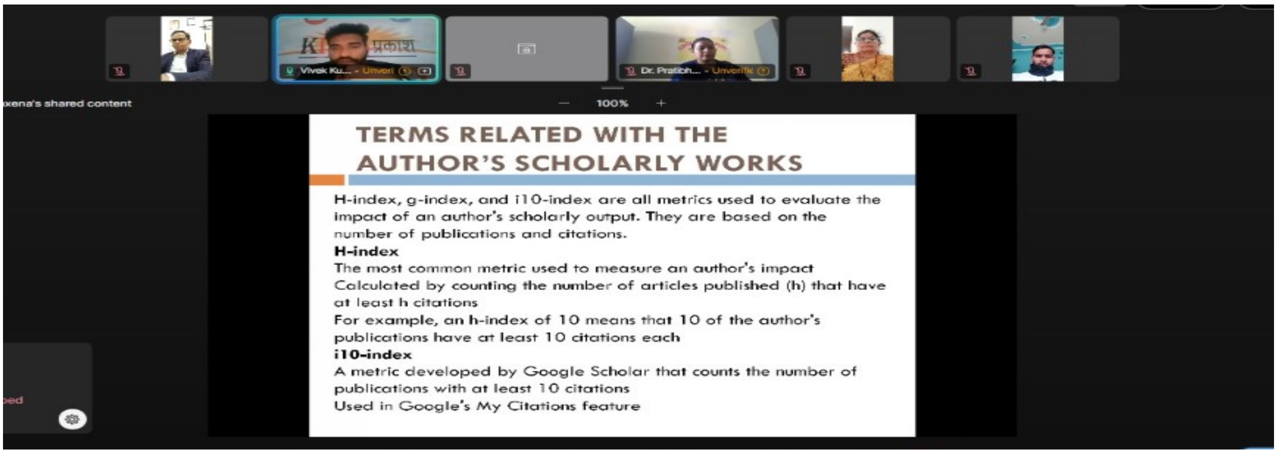
xena's shared content
TERMS RELATED WITH THE AUTHOR'S SCHOLARLY WORKS
H-index, g-index, and i10-index are all metrics used to evaluate the impact of an author's scholarly output. They are based on the number of publications and citations.
H-index
The most common metric used to measure an author's impact
Calculated by counting the number of articles published (h) that have at least h citations
For example, an h-index of 10 means that 10 of the author's publications have at least 10 citations each
i10-index
A metric developed by Google Scholar that counts the number of publications with at least 10 citations
Used in Google's My Citations feature

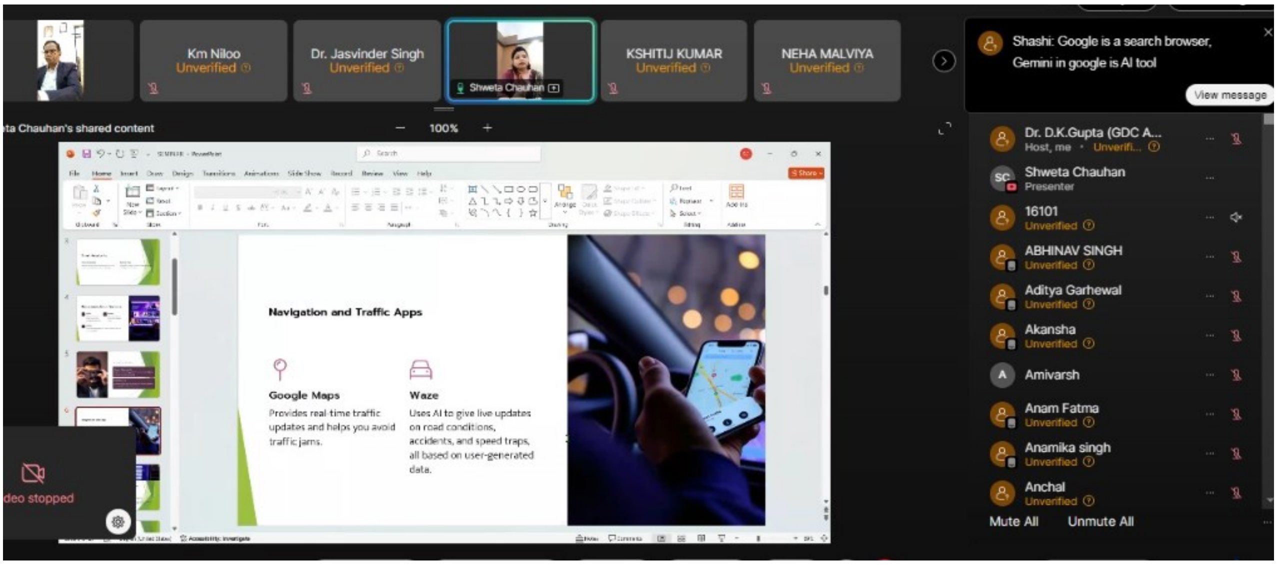

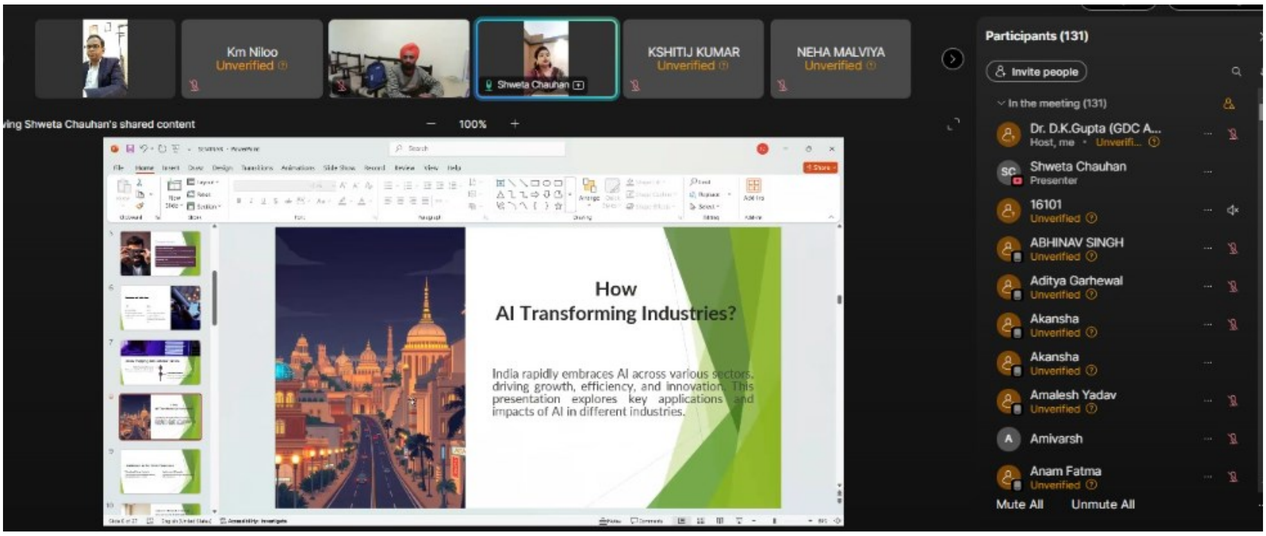

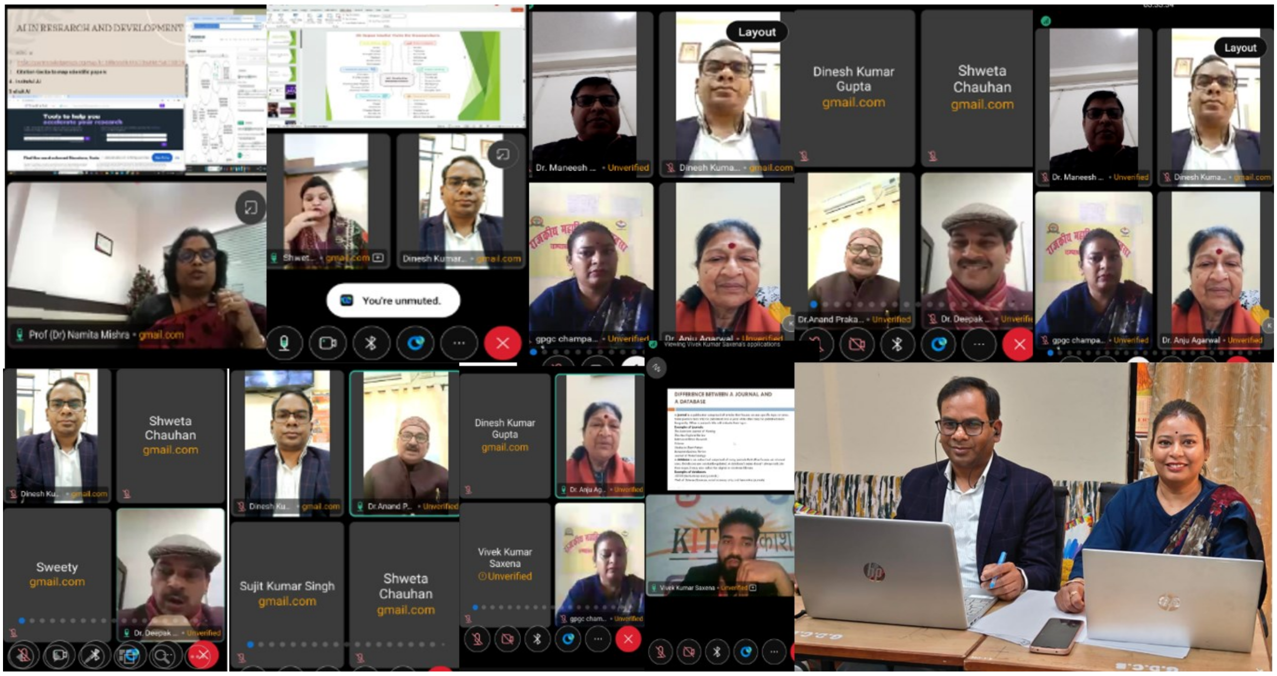

डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता समन्वयक अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी	डॉ0 सुशीला आर्या सहसमन्वयक अर्थशास्त्र विभाग राजकीय महाविद्यालय बनबसा	डॉ0 अजिता दीक्षित प्राचार्य व कार्यक्रम अध्यक्ष राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी	डॉ0 आनन्द प्रकाश सिंह प्राचार्य व कार्यक्रम संयुक्त अध्यक्ष राजकीय महाविद्यालय बनबसा